



न्यूज़ ब्रीफ

शेयर बाजार में पारदर्शिता और निवेशकों की सुरक्षा के लिए सेबी के बड़े बदलाव



नई दिल्ली। आम निवेशकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, शेयर बाजार नियामक सेबी ने बाजार में होने वाले गलत कामों पर लगाय लगाने के लिए बड़े बदलावों की घोषणा की है। सेबी अब ट्रेंडिंग टर्मिनल के दुरुपयोग को रोकने और ब्रोकरों के लिए उनके जोखिम के हिसाब से नियम बनाने की तैयारी में है। इन कदमों से बाजार में पारदर्शिता बढ़ने और निवेशकों के हितों की रक्षा होने की उम्मीद है। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने स्पष्ट किया है कि ट्रेंडिंग टर्मिनल के गलत इस्तेमाल को जड़ से खत्म करने के लिए एक बेहद सख्त नया फ्रेमवर्क लाया जा रहा है। इसका मुख्य लक्ष्य बाजार में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और आम निवेशकों के पैसों को सुरक्षित करना है। सेबी उन ब्रोकरों पर नकेल कसने की तैयारी में है जो अपने खातों का इस्तेमाल कर दूसरे ट्रेडरों को चोरी-छिपे ट्रेंडिंग की सुविधा दे रहे थे, जिससे मार्जिन नियमों का खुला उल्लंघन हो रहा था। अब यह किराए के खाते वाली प्रथा पूरी तरह से बंद की जाएगी। इसके साथ ही सेबी अब वन साइज फिट्स आल की नीति से हटकर ब्रीकिंग कंपनियों के आकार, ग्राहक संख्या और बाजार में उनके जोखिम के आधार पर अलग-अलग नियम लागू करने पर विचार कर रहा है।



नई दिल्ली। भारतीय बाजार में स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने अपनी सबसे भरोसेमंद और लोकप्रिय एसयूवी बोलरो का नया बोल्ड एडिशन लान्च कर दिया है। इस नए एडिशन में मुख्य रूप से बाहरी डिजाइन और केबिन के अंदर कई सौंदर्य संबंधी बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने इस नए मॉडल को खास तौर पर उन ग्राहकों के लिए तैयार किया है जो बोलरो की मजबूती और व्यावहारिक उपयोगिता के साथ अधिक स्टाइलिश लुक की तलाश में हैं। गाड़ी के फ्रंट ग्रिल, फाग लैंप क्लैसिंग और रूफ रैल्स पर आकर्षक ब्रान्ज फिनिश दी गई है। गाड़ी के साइड प्रोफाइल को प्रीमियम बनाने के लिए ब्लैक और ब्रान्ज रंग की ड्यूल-टोन वलैडिंग, 15-इंच के अलाय व्हील्स और बोल्ड एडिशन की खास बैजिंग जोड़ी गई है। इंटीरियर की बात करें तो केबिन में ब्लैक और ब्रान्ज थीम वाली ड्यूल-टोन लेंडरेट सीट अपहोल्स्ट्री, डिजाइनर पलोर मेट्स और सुरक्षा के लिए रियर-व्यू कैमरा दिया गया है। हालांकि, गाड़ी के बेसिक लेआउट, डैशबोर्ड, 7-इंच इन्फोटेनमेंट सिस्टम और सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तकनीकी रूप से एसयूवी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसमें पहले की तरह ही 1.5-लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जो 76 पीएस की पावर और 210 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

कम एनएवी का लालच छोड़ें, फंड प्रदर्शन पर ध्यान दें: विशेषज्ञ, कम एनएवी पर अधिक यूनिट मिलना अधिक लाभ की गारंटी बिल्कुल नहीं देता

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड में नए निवेशकों में अवसर यह गलतफहमी होती है कि 10 रुपये की कम नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) वाली योजनाएं 100 रुपये वाली योजनाओं से अधिक सस्ती और लाभदायक होती हैं। वित्तीय विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि केवल यूनिट की कम कीमत देखकर फंड का चयन करना एक बड़ी भूल साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का मत है कि किसी भी फंड की एनएवी केवल यह दर्शाती है कि प्रति यूनिट मूल्य कितना है, न कि उसके भविष्य के प्रदर्शन या लाभप्रदता का पैमाना। यदि दो अलग-अलग एनएवी वाले फंड एक ही निवेश राशि पर और समान दर से वृद्धि करते हैं, तो दोनों का अंतिम रिटर्न बिल्कुल बराबर रहेगा। उदाहरण के लिए, यदि कोई निवेशक 10 रुपये वाली योजना में 1 लाख रुपये या 100 रुपये वाली योजना में समान राशि लगाता है, और दोनों फंड 12 प्रतिशत की दर से बढ़ते हैं, तो दोनों ही स्थितियों में अंत में 1.12 लाख रुपये की समान राशि ही प्राप्त होगी। कम एनएवी पर अधिक यूनिट मिलना अधिक लाभ की गारंटी बिल्कुल नहीं देता। नया फंड आफर (एनएफओ) आमतौर पर 10 रुपये की शुरुआती एनएवी पर आता है, जबकि पुराने और स्थापित फंडों की एनएवी समय के साथ परिसंपत्तियों का मूल्य बढ़ने के कारण अवसर 100 रुपये या उससे अधिक हो जाती है। निवेशकों को फंड का चयन करते समय केवल एनएवी के बजाय फंड हाउस का मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड, अनुभवी कोष प्रबंधक, योजना की स्पष्ट निवेश शैली, उसका व्यय अनुपात और विगत 3 से 5 वर्षों के निरंतर प्रदर्शन का गहराई से मूल्यांकन करना चाहिए।

नईदुनिया

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में उछाल के बावजूद भारत में ईंधन कीमतें स्थिर

दिल्ली समेत प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम अपरिवर्तित

नई दिल्ली
वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल के बावजूद भारतीय उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत मिली है। जारी आंकड़ों के अनुसार दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई सहित देश के प्रमुख शहरों में पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित बने रहे, जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 116 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा था। देश के प्रमुख

शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा। इसी तरह मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और पटना जैसे अन्य प्रमुख शहरों में भी दरें जस की तस रहीं। शहरों में कीमतों का अंतर स्थानीय करों और अन्य लागतों के कारण बना हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जहां 24 अक्टूबर को ब्रेंट क्रूड का भाव 116.93 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड का भाव 103.44 डॉलर प्रति बैरल दर्ज किया गया। यह समझना महत्वपूर्ण है कि कच्चे

तेल की कीमत को सीधे प्रति लीटर ईंधन से नहीं जोड़ा जा सकता, क्योंकि इनमें रिफाइनिंग, परिवहन, रुपये-डॉलर विनिमय दर, केंद्र व राज्य सरकारों के कर और डीलर कमीशन जैसे कई कारक शामिल होते हैं। कच्चे तेल के ऊंचे स्तर पर बने रहने के बावजूद कीमतों में यह स्थिरता कई कारकों का परिणाम है। तेल कंपनियां केवल कच्चे तेल की लागत ही नहीं, बल्कि परिचालन खर्चों और बाजार की स्थितियों को भी ध्यान में रखती हैं। भारत कच्चे तेल का एक बड़ा हिस्सा प्रति बैरल और अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड का भाव 103.44 डॉलर प्रति बैरल दर्ज किया गया। यह समझना महत्वपूर्ण है कि कच्चे

विभिन्न कर भी अंतिम उपभोक्ता मूल्य को प्रभावित करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख तेल उत्पादक देशों के फैसले कच्चे तेल की कीमतों को आगे भी प्रभावित कर सकते हैं। चूंकि भारत बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है, इसलिए लंबे समय तक उच्च कीमतें आयात बिल और अंततः ईंधन की लागत पर दबाव बढ़ा सकती हैं। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि कीमतें तत्काल बढ़ेंगी; यह कच्चे तेल के वैश्विक रुझान, रुपये की चाल, तेल कंपनियों की लागत विश्लेषण और सरकारी नीतियों पर निर्भर करेगा।

सर्साफा बाजार की गिरावट पर ब्रेक सोना और चांदी की बढ़ी चमक

साप्ताहिक आधार पर 5,080 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली
घरेलू सर्साफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्साफा बाजार में सोना 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्साफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,30,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्साफा बाजार में 2,20,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरावट आने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 5,080 रुपये प्रति 10 ग्राम तक फिसल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 4,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चांदी भी कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में लगातार गिरावट का सामना करता रहा। की तेजी के बावजूद चांदी का भाव सप्ताहिक आधार पर 9,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक गिर गया।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना



1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्साफा बाजार में 24

कैरेट सोना 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्साफा बाजार में भी सोना मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्साफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जम्मू-कश्मीर, त्रिपुरा सहित कई राज्यों में 26 अक्टूबर को बैंक बंद रहेंगे



नई दिल्ली। अगले सप्ताह यदि आपका बैंक से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण काम है, तो सावधानी बरतें। 26 अक्टूबर से शुरू हो रहे नए सप्ताह में देश के अलग-अलग राज्यों में विभिन्न कारणों से बैंक अवकाश रहेगा, हालांकि देशभर में सभी बैंक बंद नहीं रहेंगे। सोमवार, 26 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर में विलय दिवस, त्रिपुरा में लक्ष्मी पूजा और चंडीगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक व मध्य प्रदेश में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर वाले बैंक बंद रहेंगे। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, महाराष्ट्र और राजस्थान में बैंक सामान्य रूप से खुले रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा घोषित अवकाशों के अनुसार, 26 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच बैंक कुल चार दिन बंद रहेंगे। इस कड़ी में 29 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश में करवा चौथ और 31 अक्टूबर को गुजरात में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के कारण भी बैंक बंद रहेंगे।

सितंबर महीने में हीरो सप्लेंडर की बिक्री 4,31,279 यूनिट्स

नई दिल्ली
भारतीय टू-व्हीलर बाजार में बिक्री के मामले में एक बार फिर हीरो सप्लेंडर ने अपना दबदबा साबित करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। सितंबर महीने में हीरो सप्लेंडर की 4,31,279 यूनिट्स बिकी, जो पिछले साल के मुकाबले 12 प्रतिशत अधिक है। अपनी किफायती कीमत, बेहतरीन माइलेज और कम रखरखाव के कारण यह बाइक लगातार ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है।

दूसरे स्थान पर होंडा एक्टिवा रहा, जिसने 3,52,271 यूनिट्स की बिक्री के साथ स्कूटर वर्ग



में अपना एकतरफा राज कायम रखा। तीसरे स्थान पर 125 सीसी सेगमेंट की लोकप्रिय बाइक होंडा शाइन रही, जिसकी 1,89,941 इकाइयां बिकीं। परिवारिक स्कूटर श्रेणी में टीवीएस जुपिटर 1,54,725 यूनिट्स बेचकर चौथे स्थान पर काबिज रहा। बजाज पल्सर सीरीज 1,36,313 यूनिट्स की बिक्री के साथ पांचवें नंबर पर रही, हालांकि इसकी बिक्री में पिछले साल के मुकाबले 12 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई। सूची में हीरो एचएफ डीलक्स छठे, सुजुकी

एक्ससेस सातवें और टीवीएस अपाचे आठवें स्थान पर रहे। स्पोर्ट्स डिजाइन वाली अपाचे की बिक्री में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, सामान ढोने और व्यावहारिक इस्तेमाल के लिए प्रसिद्ध टीवीएस एक्सएल नौवें स्थान पर रहा। प्रीमियम सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बनाते हुए रायल एनफील्ड क्लासिक 350 ने 47,286 यूनिट्स की बिक्री के साथ 16 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हासिल की और दसवां स्थान प्राप्त किया। ये आंकड़े बताते हैं कि देश में किफायती और कम्यूटर वाहनों की मांग सबसे अधिक बनी हुई है। मालूम हो कि सितंबर 2026 के दौरान भारतीय टू-व्हीलर बाजार में कुल बिक्री में करीब 11 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस महीने देश भर में कुल 16,14,472 दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 14,41,876 यूनिट था।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को दूसरी तिमाही में लगभग तिगुना मुनाफा

बढ़ते कारोबार के साथ एनपीए में भी उल्लेखनीय कमी

नई दिल्ली
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में असाधारण वित्तीय प्रदर्शन किया है। बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर लगभग तीन गुना बढ़कर 1,044.6 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 352.3 करोड़ रुपये था। यह लगातार दूसरी तिमाही है जब बैंक ने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा दर्ज किया है, जो उसकी मजबूत वापसी का स्पष्ट संकेत है।

मुनाफे में इस जबरदस्त उछाल के साथ, बैंक की वित्तीय स्थिति में व्यापक सुधार दिख रहा है। बैंक की ब्याज आय (एनआईआई) भी 21 फीसदी बढ़कर 6,184.5 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि आपरेंटिंग प्राफिट में 35 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो 2,538 करोड़ रुपये रहा। सबसे सकारात्मक खबर बैंक की



संपत्ति की गुणवत्ता में आया सुधार है। ग्रास नान-परफॉर्मिंग एसेट (जीएनपीए) अनुपात जून तिमाही के 1.51 फीसदी से घटकर सितंबर तिमाही में 1.32 फीसदी पर आ गया है, जबकि नेट एनपीए भी 0.44 फीसदी से कम होकर 0.40 फीसदी तक सुधरा है। बैंक की कुल जमा राशि में 25.9 फीसदी और बाटे गए ऋणों में 30.1 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई है। इन बेहतरीन

नतीजों के बावजूद, बैंक का शेयर इस साल अब तक लगभग 15 फीसदी नीचे 72 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा है। हालांकि कर्मचारी-संबंधित विवादों को शेयर गिरावट का कारण माना गया था, हालांकि बैंक की उसमें कोई सीधी भूमिका नहीं थी। विशेषज्ञों का मानना है कि अब इन मजबूत नतीजों से शेयर को आने वाले समय में ताकत मिल सकती है।

मारुति सुजुकी ने बिक्री में दर्ज की 35 प्रतिशत की खुदरा वृद्धि

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में मारुति सुजुकी के लिए बिक्री बेहद शानदार रही। इस दौरान कंपनी ने 35 प्रतिशत की मजबूत खुदरा वृद्धि दर्ज की है। इस दौरान छोटी कारों की खुदरा बिक्री में भी लगभग 16-17 प्रतिशत का इजाफा देखा गया। विक्टोरिस और ब्रेजा जैसी लोकप्रिय एसयूवी की बेहतर उपलब्धता ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। कंपनी के पास लॉबिड बुकिंग की संख्या बढ़कर लगभग 2.70 लाख वाहन तक पहुंच गई है। दशहरा के बाद इसमें 70,000 वाहनों की वृद्धि हुई है, जो अक्टूबर की शुरुआत में 2 लाख के आंकड़े से कहीं अधिक है। यह आगामी त्योहारी अवधि में मजबूत मांग का स्पष्ट संकेत देता है। कंपनी को उम्मीद है कि ओणम से लेकर दिवाली तक पूरे त्योहारी सीजन में खुदरा बिक्री में दोहरे अंकों की वृद्धि जारी रहेगी। दिवाली 8 नवंबर को है, जिसका अर्थ है कि कंपनी के पास बिक्री बढ़ाने के लिए अभी भी लगभग 16 दिन शेष हैं। कंपनी के मार्केटिंग और सेल्स विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि विक्टोरिस और ब्रेजा की आपूर्ति बढ़ने से बड़ी हुई मांग को पूरा करने में मदद मिली है, जिससे भारत के अतिरिक्त प्रतिस्पर्धी एसयूवी बाजार में मारुति सुजुकी की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। यह वृद्धि एसयूवी की बेहतर आपूर्ति और विभिन्न वाहन खंडों में ग्राहकों की लगातार बनी हुई रुचि को दर्शाता है। पिछले साल की नवरात्रि की तुलना में 2026 की नवरात्रि में डिलीवरी में लगभग 98 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

